राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2350
नागराज
अण्डर अरेस्ट
World Terrorism
NAGRAJ
UNDER
ARREST
GOVIND
आतंकहर्ता
नागराज
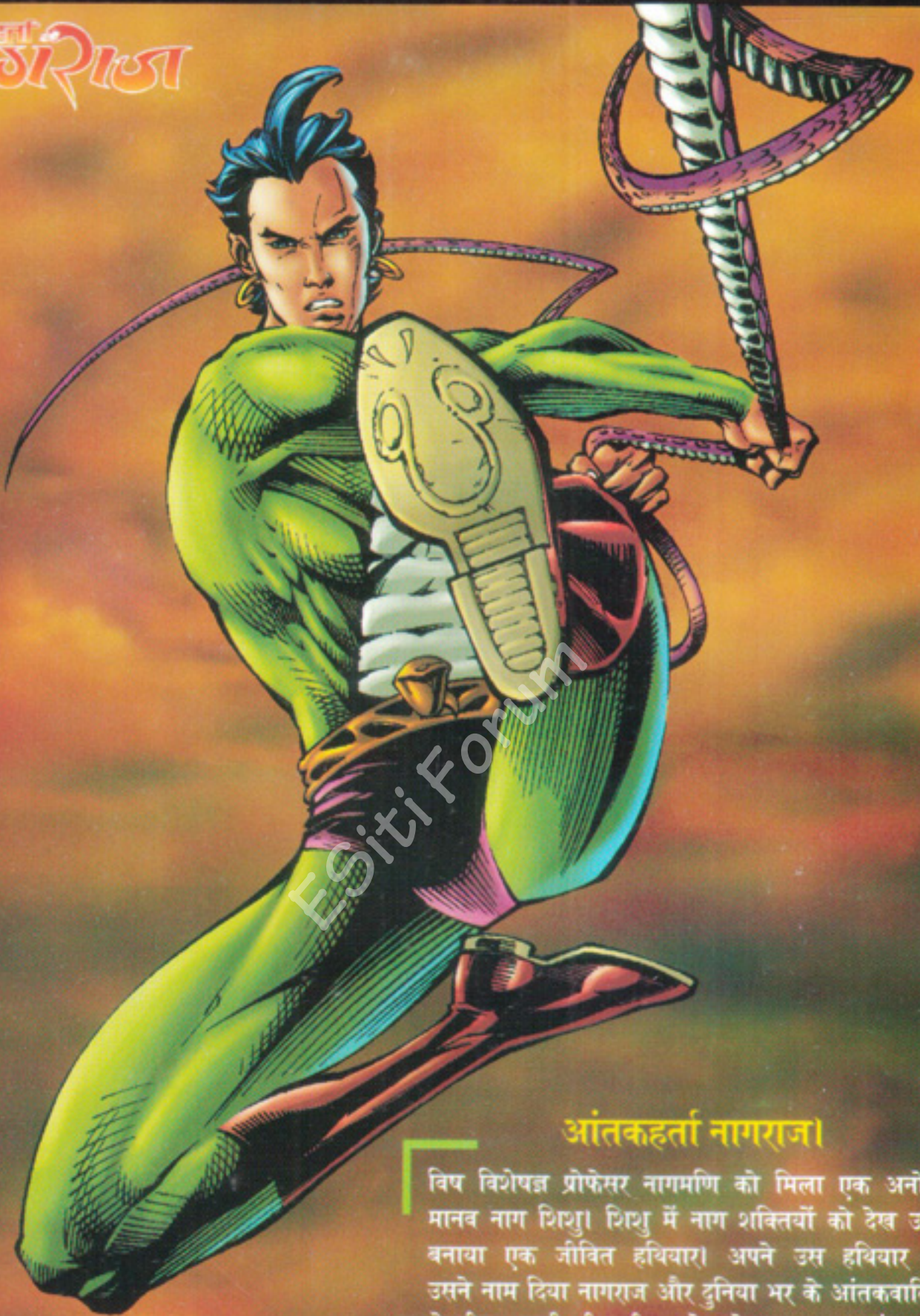
आंतकहर्ता नागराज।

विष विशेषज्ञ प्रोफेसर नागमणि को मिला एक अनोखा मानव नाग शिशु। शिशु में नाग शक्तियों को देख उसने बनाया एक जीवित हथियार। अपने उस हथियार को उसने नाम दिया नागराज और दुनिया भर के आंतकवादियों के बीच उसकी नीलामी करके उसे बना डाला खूंखारतम आतंकवादी। आतंकवादी नागराज निकल पड़ा दुनिया भर में आंतकवाद फैलाने परंतु उसका रास्ता रोका गुरु गोरखनाथ ने। गुरु गोरखनाथ के दिव्य प्रभाव ने नागराज को बना दिया आंतकहर्ता नागराज।

पूर्व कथानक 'तीन सिक्के' व 'जंग मौत तक' में आपने पढ़ा कि इटली के प्रेजीडेंट के आग्रह पर नागराज इटली के माफिया संगठनों का अंत करने रोम पहुंचा। जहां उसकी मुलाकात टैक्सी ड्राइवर झप्पी सिंह से होती है। नागराज माफिया द्वारा किए जा रहे छुट-पुट हमलों से बचता है। नागराज ग्लेडियेटर्स फाइट देखने अरिना पहुंचता है। नागराज वहां एक प्रेमी युगल फ्ल्यूट और टबी को ग्लेडियेटर फाइटर्स के चंगुल से निकालता है। प्रेमी-युगल इटली माफिया की संतानें हैं। दोनों के पिताओं को जब उनके सम्बन्धों का पता चलता है तो वो उनकी शादी को तैयार हो जाते हैं। मगर माफिया के बाकी सदस्य इस शादी से प्रसन्न नहीं हैं। अब आगे पढ़ें-

भारत की राजधानी दिल्ली हो...
... या इटली की राजधानी रोम!
हफ्ता वसूली का धंधा हर जगह रौनक रहता है!
गैंगली बॉस! ये रहा आपका हफ्ता... और साथ में आपके लिए आपका फेवरिट चिकन बर्गर!
ले लो रे। जल्दी हफ्ता ले लो।
गैंगली बॉस। जल्दी किस बात की है? अभी तो धंधे पर निकले हैं।
नागराज रोम में है। ये खबर जल्दी के लिए काफी नहीं है क्या?
उवैकss
नागराज का नाम लेना जरूरी था क्या? कम से कम चिकन बर्गर तो खाने देता। डैम फूल।
वापस कर दो हफ्ता और बर्गर के पैसे भी दे दो।
थपाक!!
!

टर्मिनी रोम रेलवे स्टेशन के बाहर!
कुली!
अरे, कौन हो तुम लोग?
घबरा मत। हम तेरा सारा सामान उठा लेंगे।
कुछ लोग जिंदगी को मौत का वीजा देने की तैयारी में थे।
ऐसा रोम के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ ट्रूटी केपी।
चिट्टी, सांप!
कहीं ये नागराज का जासूस सांप तो नहीं!
सामान वापस करो!
स...सॉरी। गलती हो गई। मैं कुली को बुला देता हूं।
नागराज को इटली का परमानेंट वीजा दिलवाओ।

रोम की सड़कों से अचानक लोकल गुंडे गायब हो गए हैं।
स्टेशन गैंग यहां कुलीगिरी कर रहा है।
...अरिना में नागराज ने जो कमाल किया है, ये उसी का नतीजा है।
फ्ल्यूट और टबी में से किसी एक का मरना जरूरी है...।
...हम सोच रहे थे कि लोकल गुंडे हमारा काम कर देंगे क्योंकि इस काम के लिए मैं अपने फुट सोल्जर्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहता। अब केपो रेजीम को हायर करो। ताकि केपो रैंगटो को और एंटीनिनो को हम पर शक ना हो।
फ्ल्यूट और टबी-
अब जल्दी ही हम एक होंगे।
हां। सपने हकीकत होंगे।

उफ! या तो समय को पंख लग जाएं या मुझे! मैं उड़ना चाहती हूं!
I want to fly!!!
तो अपनी आंखें बंद कर लो फ्ल्यूट!
अभी बंद ही रखो!
हम कहां जा रहे हैं? हम कहां हैं?
अब आंखें खोलो!
WOW!
ये हमारे सपनों का आकाश नहीं फ्ल्यूट...
...लेकिन यहां से हम सारे आकाश को अपना बनाते हुए...

मैं उड़ रही हूं! मैं सचमुच उड़ रही हूं! ये जादू है। ये करिश्मा है।
तुमने कहा था कि तुम उड़ना चाहती हो तो मैं तुम्हें यहां 'फ्री-फॉल' पर पॉवर जम्प के लिए ले आया।
...हकीकत की जमीन को छू सकते हैं।

घबराना मत। हम जाल पर ही गिरेंगे।
जिनके दुश्मनों की तादाद ज्यादा हो, उन्हें ऐसे एडवेंचर गेम्स का हिस्सा नहीं बनना चाहिए।
अभी भी मत घबराना फ्ल्यूट! जिंदगी और मौत इंसान के हाथ में नहीं।
मौत की कौन सोच रहा है। मेरी जिंदगी तो मेरे हाथ में है। ये हाथ मेरे हाथ से कभी नहीं छूटना चाहिए।
जिंदगी और मौत सचमुच इंसान के हाथों में नहीं!!!
सर्ईई
सांय
हिस्स!
जिंदगी है तो पल भर में बचने का जरिया भी बन जाएगा।
नागों का जाल?
धप्प

नागराज!
तुम पर मंडराते खतरे का आभास था मुझे...
...और अब देखो कैसे खतरा बन कर मैं...
...मंडराता हूं उन लोगों के सिरों पर जो तुम्हें मौत देने की कोशिश कर रहे थे।
ट्वेंग!!!
जल्लादों को नहीं भूलना चाहिए कि...
आं!!!
...फंदे उनके गले में भी पड़ सकते हैं।
सक!!
आह!!!

बहुत नागराज-नागराज हो चुकी, अब और नहीं!
स्वूSSS शा!!!
अपने बस सोल्जर्स के साथ आया है केपो रेजीम!
रोम के चिड़ियाघर में भर्ती कराएंगे अब हम तुझे!
नागराज बचो! ये पॉवर जम्पर्स हैं!
थड़!!!
एक बार बचा लिया, अब नागराज भी नहीं बचा पाएगा तुम्हें!
!
नागराज का सर्प उसे चीरता हुआ निकल गया।
सीय स्पाकsss
ओ...क...!!!
!
टबी! तुम फ्ल्यूट को लेकर यहां से निकलो क्योंकि तुम इनके निशाने पर हो। और मैं नहीं चाहता कि तुम दोनों...
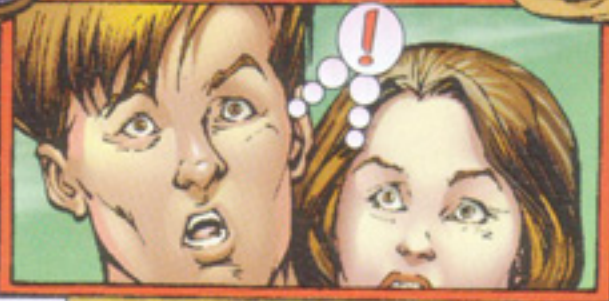
...किसी खतरे में पड़ो!!!
धाड़!!!!
धाड़!!!!
गो...फास्ट!
लड़ाई में मैं नागराज का साथ देना चाहता था। मगर मैं उसका कहा भी नहीं टाल सकता।
घुर्रऽऽऽम्म!!!
टाल तो तू मौत भी नहीं सकता।
उनकी टलेगी...
...मगर तेरी नहीं! क्योंकि मैं उनके पीछे हूं।
फू!!!
कार को रोकना मत टबी।
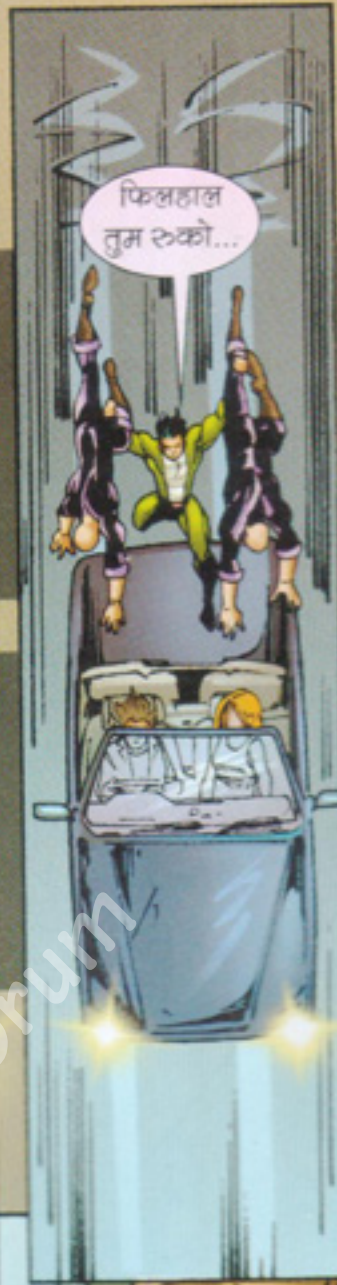
मगर
तुम्हारी सांसें
जरूर रुकेंगी।
!
देखो!
कुछ लोग तमाशा
कर रहे हैं।
फिलहाल
तुम रुको...
...और अपनी
सांसें चालू रख
सकते हो तो
रखो।
किल देम!
जिंग
हमारे पास दुश्मन
को छका कर मारने का
मौका है। कार चलाते
रहो टबी!!!

नागराज को पॉवर जम्प के लिए विशेष शूज की जरूरत नहीं थी।
स्पाक
थड़!!!
थड़!!!
अरे! उसने सांप उछाले।
ये तो खुद बड़े सांप जैसा है।
बहुत उछल-कूद मचा ली...
वो देखो नागों से बनी रस्सी!
नाग है जहां, नागराज है वहां!
ये सिर्फ नागराज हो सकता है।
थड़ड़!!!
...अब जमीन पर आ जाओ!!!
कौन है ये स्नेकमैन?
सांय!!!

टबी और फ्ल्यूट नागराज की प्रतीक्षा में थे।

नागराज आ गया।

क्या आदमी है? सांपों पर सवारी करता है।

टबी शरारत से मुस्कराया।

तुम उसकी तारीफ कर रही हो या मेरा हाथ छोड़ रही हो?

मरते दम तक तुम्हारा हाथ मेरे हाथ में रहेगा।

कार में बैठो।
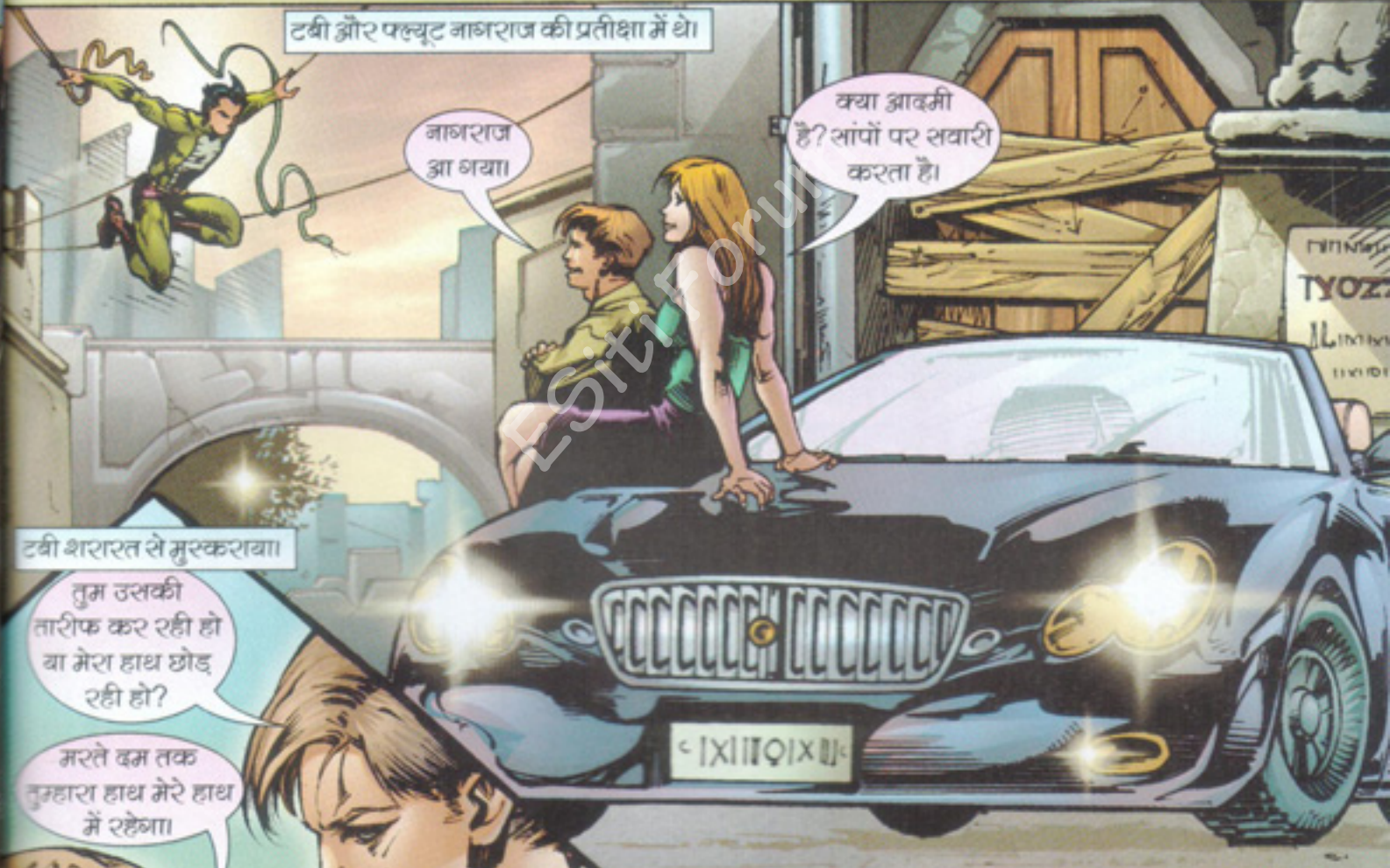
नागराज! मानता हूं कि अरिना की लड़ाई में तुम्हारा पहुंचना मात्र संयोग हो सकता है मगर एक बार फिर यहां तुम संयोग से नहीं पहुंचे हो।
तुमने ठीक कहा।
वास्तव में मुझे आशंका थी कि तुम पर दोबारा हमला हो सकता है...
...इसलिए मैंने अपना एक जासूस सूक्ष्म सर्प तुम्हारे बालों में छोड़ दिया था।
ये देखो! ये बाल जितना ही पतला है!
ओ माई गॉड!!!
पहले सिर्फ तुम्हें मारने की कोशिश की गई थी टबी! मगर अब तुम दोनों को निशाना बनाया गया है।

शायद कोई इस शादी से खफा है।

यानी इस बार दुश्मन बदल गए हैं। हमारे बच्चों से किसी की क्या दुश्मनी हो सकती है?
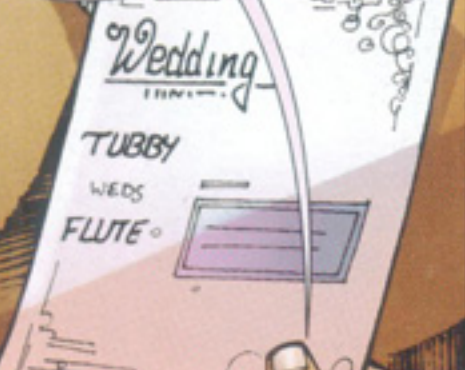
तुम्हें चिंता हो रही है कि शादी में कोई भारी गड़बड़ हो सकती है।
Wedding
TUBBY
WEDS
FLUTE
...इसलिए मैंने सोचा है कि हम शादी को धूमधाम से नहीं करेंगे।
तो क्या हमारे बच्चों की शादी गुड्डे-गुड़िया की शादी की तरह होगी?
ये चिंता मुझे भी है रंगटो!...
नहीं। ऐसा नहीं होगा। शादी के बाद हम शानदार पार्टी देंगे। और इस शादी में केवल हमारे परिवार के लोग ही शामिल होंगे।
इसमें एक नाम और शामिल कर लीजिए पापा...
...नागराज का!
नागराज?
नागराज?

कहानी 19 पेज से जारी

फिर एकदम सादे समारोह में सेंट पीटर चर्च में वे शादी हुई।
मुबारक हो। अब आप पति-पत्नी हैं।
और हम समधि!
राज! तुमने दो हमारे बच्चों की जान बचाई है।
हम चाहते हैं कि रिसेप्शन पार्टी में भी तुम हमारे खास मेहमान बनो।
मैंने टबी और फ्लफ्ट से उनकी शादी तक साथ रहने का वादा किया था।
शादी पार्टी के बिना अधूरी है और पार्टी तुम्हारे बिना। तुम मना नहीं कर सकते नागराज।
मैं वाकई मना नहीं कर सकता।
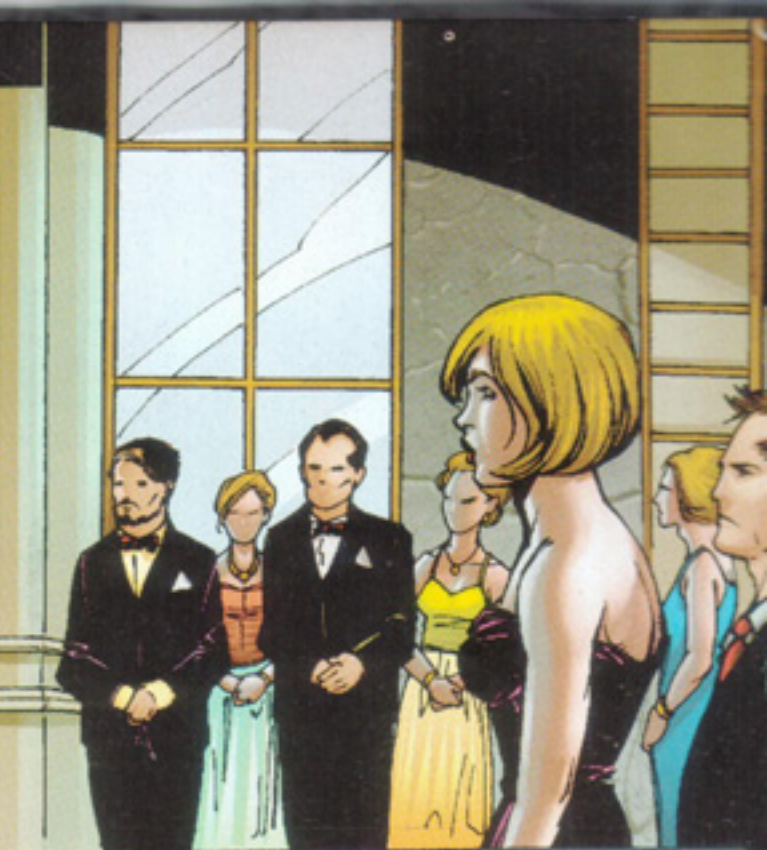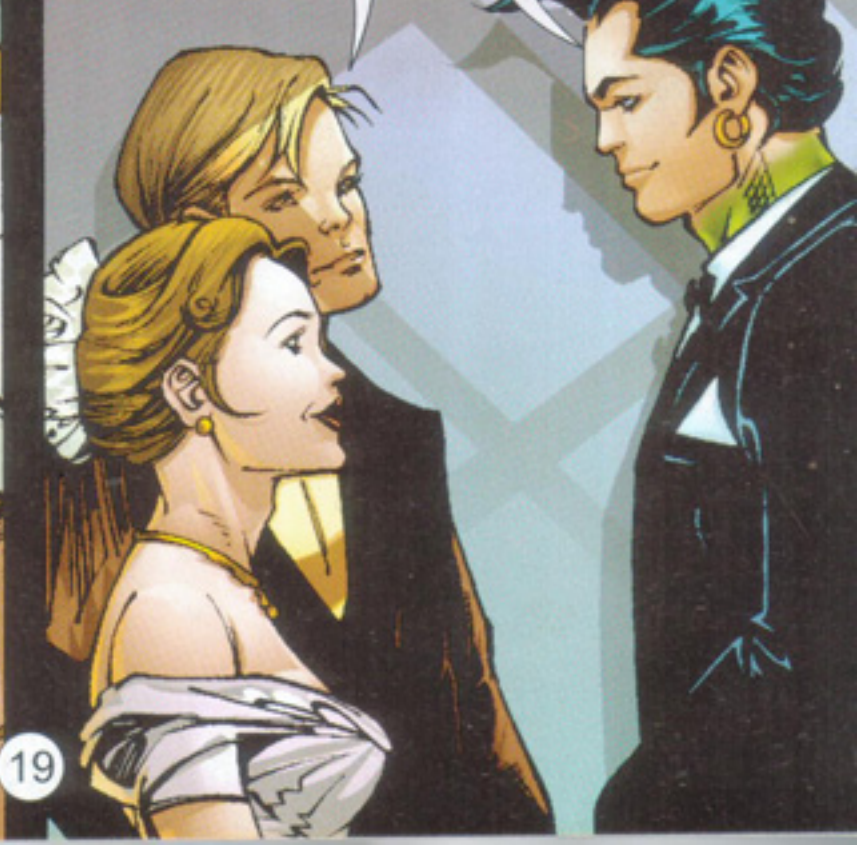
नागराज को अपने दरवाजे पर देखकर सिल्वियानो की खुशी छुपाए नहीं छुप रही थी।
उफ, नागराज। मैं यकीन नहीं कर पा रही कि तुम मेरे घर आए हो!
तो करो! यकीन करना पड़ेगा। क्योंकि जब तक तुम यकीन नहीं करोगी, रास्ता नहीं छोड़ोगी जिससे कि मैं भीतर आ पाऊं।
ओह...मैं सचमुच... मुझे यकीन... छोड़ो... आओ ना। प्लीज नागराज! अंदर आ जाओ।
सिल्वियानो! मेरे सफर के हर अजनबी शहर में तुम जैसा कोई एक इंसान जरूर होता है...
...जिस पर मैं विश्वास कर पाता हूं।

और यही विश्वास मेरे यहां आने की वजह है!
वजह जो भी हो तुम मेरे यहां आए, मेरे लिए ये पल बहुत खास हैं।

फिर तो तुम ये भी अनुमान लगा चुकी होगी कि मैं यहां सिर्फ दूध पीने नहीं आया।
विश्व भ्रमण का मेरा मकसद तो तुम जानती ही होगी सिल्वियानो!
...!

मेरा निशाना है विश्व आतंकवाद!

विश्व आतंकवाद की जड़ें काटता हुआ मैं देश-देश घूमता हुआ यहां इटली पहुंचा हूं।
यहां मुझे इटैलियन माफिया को तबाह करना है, जो वर्ल्ड पॉवर बनने का सपना देख रहा है।
तुम पेशे से वकील हो। तुम्हारे पास भी ऐसे लोगों के केस जरूर आते होंगे।
इटैलियन माफिया के बारे में शायद तुमसे बेहतर मुझे कोई नहीं बता सकता।
मैं यहां इसी मकसद से आया हूं। क्या तुम मेरी...
'मदद' शब्द का इस्तेमाल मत करना नागराज। नहीं तो मैं बुरा मान जाऊंगी।

आओ! मैं तुम्हें किसी से मिलवाना चाहती हूं।

?!

तुम मुझे छोटे बच्चे की तरह उंगली पकड़कर क्यों ले जा रही हो? हाथ तो छोड़ो।
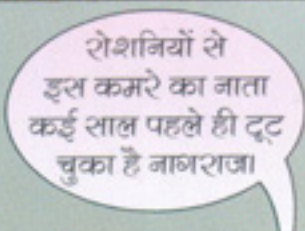
नागराज!
ये मेरे अंकल हैं।
डी-सिल्वा-डेको।
तुम्हें तुम्हारे सवालों के बेहतर जवाब मेरे अंकल ही दे सकते हैं।
?
रोशनी खुशियों का प्रतीक है! खुशियां अब मेरे जीवन में कभी भी नहीं लौटेंगी तो रोशनियां मेरे लिए निरर्थक हैं!
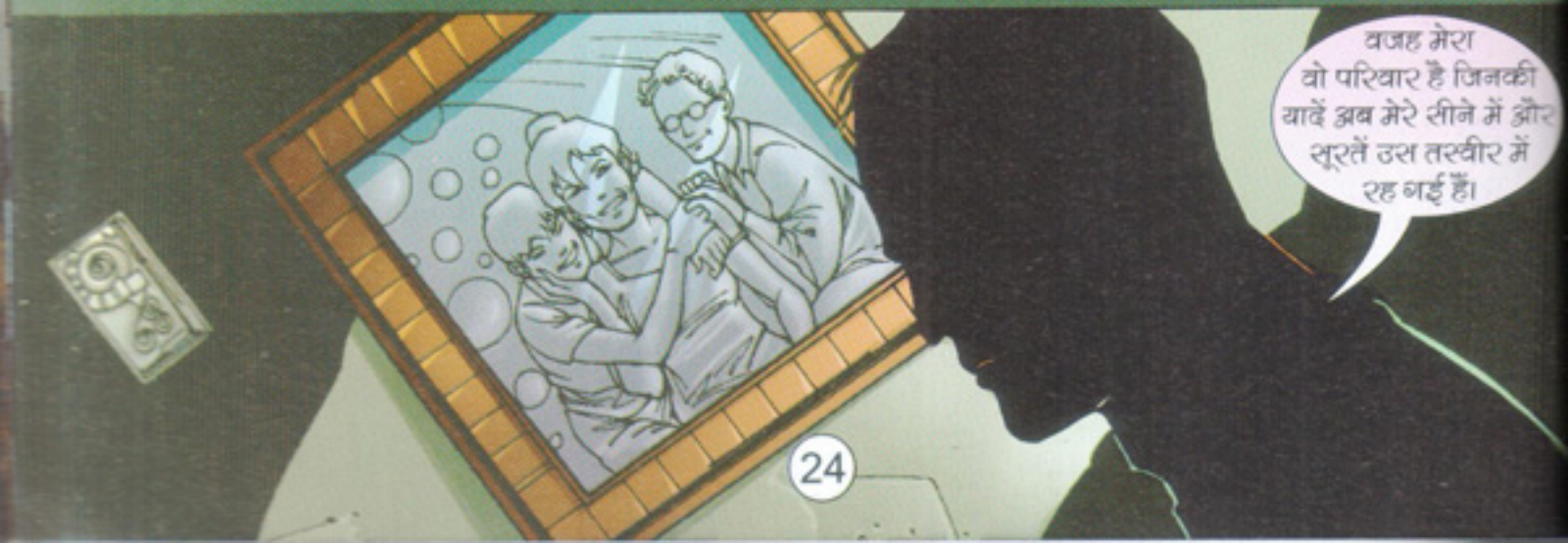
वजह है मेरा ये जला हुआ जिस्म!!! वजह है मेरा वो फर्ज, जिसे मैं अपनी जान और अपने परिवार से भी ज्यादा अहमियत देता था।
!
वजह है वो हालात, जिनके कारण सिल्वियानो यहां रहने को मजबूर है।
नागराज! मैं इटली के एंटी टेररिज्म इंटेलीजेंस ब्यूरो का चीफ था।
मेरे पास पक्की खबर व सबूत थे कि इटली का माफिया आतंकवादियों के लिए भी काम करता है।
मैं उनके पीछे हाथ धोकर पड़ गया था। वे लोग वर्ल्ड पॉवर बनना चाहते थे नागराज। इनके तार पूरे संसार के अंडरवर्ल्ड के लोगों से जुड़े थे।
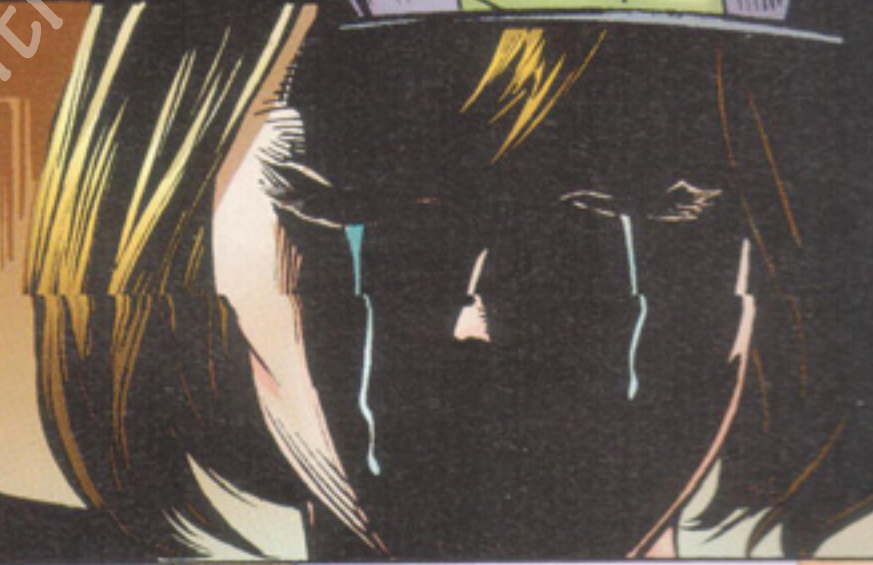
ACDSee 3.2 V4
File Edit Tools View
यह है माफिया हैड यानि केपो डी टूटी केपी। इसका नाम है सेक्रो कबोरा। इसे आज तक किसी ने नहीं देखा।
Kepo-d2t Kepi
loaded in .0 Sec
47 KB
V4
View
यह है सेकेण्ड बॉस। केपो क्राइमाइन यानी क्राइम बॉस। इसका नाम है मरियातोरिनो।
Kepo-cri-mine
loaded in .1 Sec
1.2 mb
ACDSee 3.2 V
File Edit Tools View
तीसरे नंबर पर है केपो बास्तोने।
यानी बीट-हैड, जिसे 'अंडर बॉस' भी कहा जाता है।
ये क्राइम बॉस के नीचे काम करता है यानी तुम इसे 'सेकेण्ड-इन-कमाण्ड' कह सकते हो।
kepo bostone
loaded in .0 Sec
1.0 mb
Italy Crimes
चौथे नम्बर पर केपो डेसीना रैंगटो यानी ग्रुप बॉस!
यानी किसी एक सिटी के अंडर-वर्ल्ड का बॉस।
3.2 V4
ools View
loaded in .0 Sec
1.7 mb
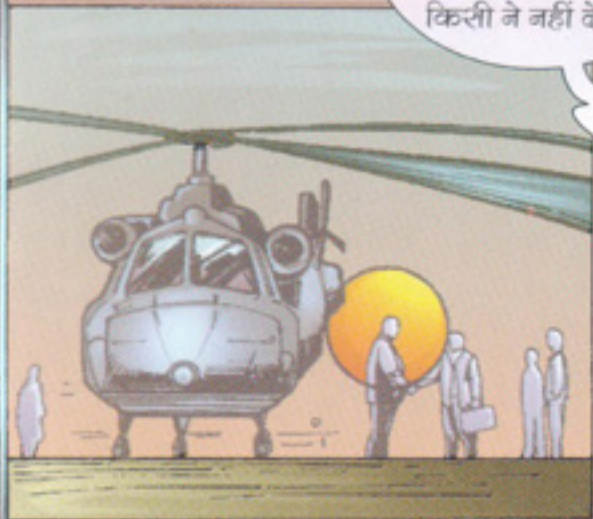
पांचवां है एंटोनिनो, ओमिनी डी-ओनोर यानी मैन ऑफ ऑनर।
ये गेला बैंक का मालिक है!
और पूरे अंडर-वर्ल्ड की फाइनांस सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करता है।
रैंगटो से तो मैं मिल चुका हूं!!
फ्ल्यूट इसी की बेटी है।
ओह! ये तो टबी का बाप है।
इसका मतलब ये हुआ कि सैक्रो कबोरा और मरियातोरिनो इटली के प्रत्येक शहर के अंडर-वर्ल्ड के अंडर बॉस और ग्रुप बॉस के साथ तालमेल बना कर चलते हैं।
हां। इनकी ऑर्गेनाइजेशन दो तरीके से काम करती है। 'हाई' माफिया और 'लो' माफिया।
हाई माफिया का काम रिश्वतखोरी, राजनीतिज्ञों, जजों और बड़े सरकारी अधिकारियों पर दबाव बनाकर अपना काम निकलवाना होता है।
जबकि 'लो' माफिया आक्रामक और जानलेवा कामों को अंजाम देती है।
मैं 'हाई' माफिया का शिकार हुआ। मुझे आतंकवाद की मदद और रिश्वतखोरी के इल्जाम में फंसा दिया गया।
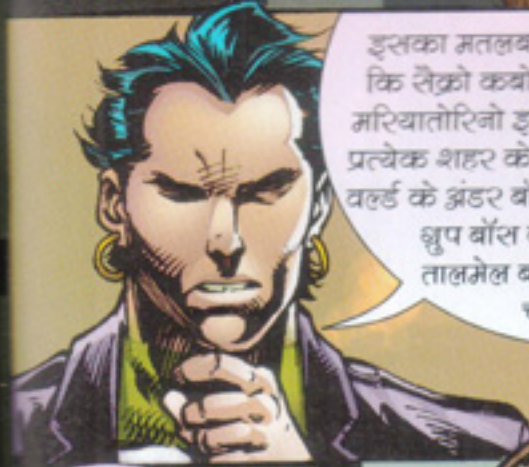
मेरी भतीजी सिल्वियानो ने मेरा केस लड़ा। ये मुझे रिश्वतखोरी और आतंकवाद की मदद के इल्जामों से साफ बचा लाई। वो इसका पहला केस था।
आतंकवादी चुप नहीं बैठे।
'जिसका परिणाम रहा वो विस्फोट।'
बूमम
'उसमें मेरा भाई, उसकी पत्नी, मेरी पत्नी और मेरे दोनों बच्चे मारे गए। मेरा शरीर जल गया। सिल्वियानो अनाथ हो गई।'
मैं छः महीने अस्पताल में कोमा में रहा। छः महीनों बाद मुझे अपनी बर्बादी की सूचनाएं मिलीं तो मैं तड़प कर रह गया।
नागराज! तब से मेरा मन आतंकवाद के खिलाफ और भी खिन्नता से भर गया।
तुम्हारे बारे में सुनता था कि तुम आतंकवाद के खात्मे के मिशन पर निकले थे।
अर्से से तुम्हारी प्रतीक्षा थी कि कब इटली आओगे।
!
आज वो प्रतीक्षा पूरी हो गई।
शायद अब वो काम भी पूरा होगा, जिसे उस वक्त मैं पूरा नहीं कर पाया था।
आतंकवाद का शिकार होकर केवल तस्वीरें बन चुके हजारों लोगों की आंखों को भी शायद उसी पल का इंतजार हो नागराज!
उनका इंतजार जरूर खत्म होगा मिस्टर डेको...
...और आपके अंधेरे भी। ये नागराज का वादा है आपसे!
!

अगले दिन सुबह जैसे ही नागराज होटल से बाहर निकला।
ओ भापा जी नमस्ते।
अरे झप्पी सिंह! तुम कहां चले गए थे?
ओ गड्डी ठीक करवा रहा था भापा जी।
क्लच ठीक करवाया तो साइलेंसर चीखें मारने लगा।
साइलेंसर ठीक करवाया तो स्टेयरिंग जाम पड़ गया।
स्टेयरिंग ठीक करवाया तो हॉर्न बजना बंद हो गया।
ओ जी हॉर्न ठीक करवाया तो कार्बुरेटर में कचरा फंस गया।
कार्बुरेटर...
तुम्हें अपनी टैक्सी की ठीक से सर्विस करवानी थी।
अरे! पंद्रह मिनट हो गए। तुमने अभी तक ये भी नहीं पूछा कि मुझे जाना कहां है?
पैसेंजर को ऐसे बेवकूफ बनाते हो।
ओ भापा जी। बाकियों से तो मैं पहले ही पूछ लेता हूं पर आपका तो जी मुझे पता है।
लो जी आ गए हम।
ये कहां ले आए?
इंडियन रेस्तरां।

यहां तो हम पहले भी आए थे।
अभी तो कई बार और भी आएंगे भापाजी। पूरे रोम में यही एक अच्छा इंडियन रेस्तरां है। आपको तो मैं कहीं और खाने नहीं दूंगा। पेट खराब हो गया तो? ओ ना जी ना।
यहां की खिचड़ी टेस्ट करना नागराज भापे।
लौकी और तौरी का तो जी जवाब नहीं।
करेले की दाल, भिंडी की कढ़ी, अरबी का रायता। ओ जी बस स्वाद आ जाता है।
नाश्ते से निबटने के बाद-
झप्पी सिंह! ये...
ओ नहीं जी। आज तो मैं अपनी मर्जी से आपको एक कमाल की जगह पर लेकर चलूंगा।
झप्पी सिंह! तुम्हारी टैक्सी में...।
ओ आप फिक्र मत करो जी। मेरी टैक्सी में अब कोई खराबी नहीं है।
ऐसी नजारे वाली चीज हाथ से निकल गई तो दोबारा देखने को नहीं मिलेगी।
ओ जी इटली के लोग तरस रहे हैं।
बाद में आप मुझे कोसोगे कि मैंने आपको वो नजारे वाली चीज नहीं दिखाई।
ये देखो जी। मेरे पास तो इंविटेशन कार्ड भी है। कोई मेरी टैक्सी में भूल गया था। टैक्सी खराब थी। जब तक मैं उसे बताता वो निकल भी गया।
टैक्सी रोको। झप्पी सिंह! टैक्सी रोको।

झप्पी सिंह। तुम्हारी टैक्सी में कोई उस इंविटेशन कार्ड के साथ-साथ ये बैग भी छोड़ गया है।
ओ जी बैग?

और बैग में...

...बम है।

छपाक

बूम्म

और मैं इतनी देर से यही पूछने की कोशिश कर रहा था कि वो बैग किसका है पर तुम्हारी बकबक बंद ही नहीं हो रही थी। किसी ने ये जानबूझ कर तुम्हारी टैक्सी में छोड़ा है। शायद उसे पता होगा कि मैं तुम्हारी टैक्सी में जाने वाला हूं।अब बताओ कहां लेकर जा रहे थे मुझे?
इ...इटली की शानदार शादी दिखाने।

दुल्हे का नाम टबी है। दुल्हन का फ्ल्यूट है। मेरे पास भी शादी का इंविटेशन कार्ड है। ये देखो। अब चलो GRAND HOTEL DE-LA-MINERVE.
ओ नागराज भापाजी। तुस्सी छा गए हो। तुस्सी ग्रेट हो जी।

इधर GRAND HOTEL DE-LA-MINERVE को दुल्हन की तरह सजाया गया था!
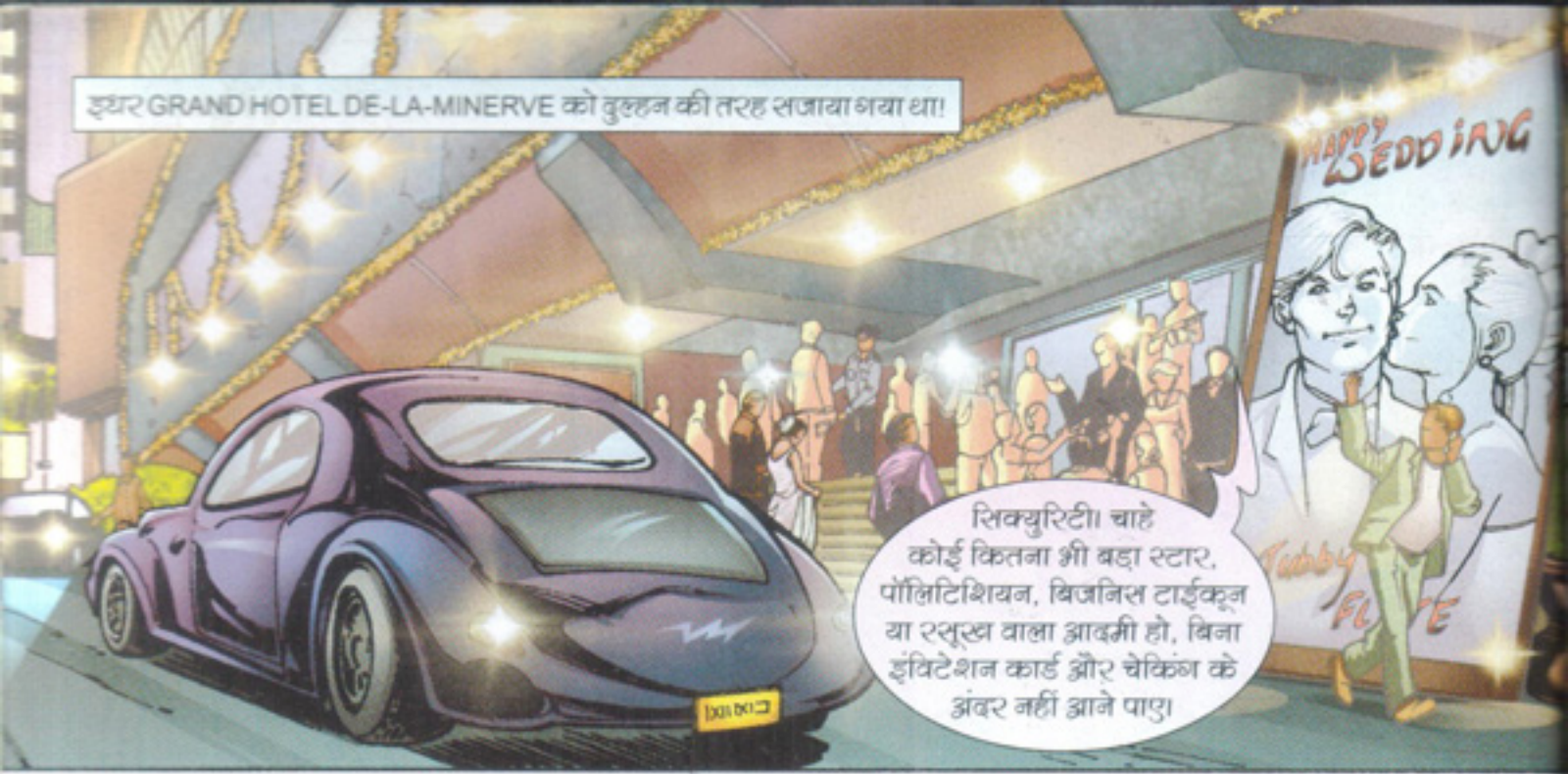
सिक्युरिटी। चाहे कोई कितना भी बड़ा स्टार, पॉलिटिशियन, बिजनिस टाईकून या रसूख वाला आदमी हो, बिना इंविटेशन कार्ड और चेकिंग के अंदर नहीं आने पाए।

नागराज अभी तक नहीं पहुंचा।

वो जरूर आएगा।

कुत्तों की गुर्राहटों से दहशत व सनसनी फैल गई।
ये कुत्ते कहां से आ गए?
बुक
कुत्तों के शरीर पर बम बंधे हैं।
उन्हें भून दो!
फायर!!
...कुत्तों पर बंधे बम भी फटे!
बूमम
'कुत्ता पलटन' मेहमानों के बीच आ घुसी।
बुक
बूमम
ये धमाका कैसा था एंटोनिनो? ये कुत्ते कहां से आ गए?
हमारी सारी सिक्युरिटी धरी रह गई।
उनके शरीर पर बम बंधे हैं।
उफ! इन कुत्तों पर कोई गोली, कोई सिक्युरिटी काम नहीं करेगी।
ये उन्हीं लोगों की चाल है जो हमें मारना चाहते थे।

सांय
वूफ

सब लोग नीचे झुक जाओ!
हिस्स
हिस्स
वूफ
वूफ
वूफ
नागराज आ गया।
!
वूफ

नागराज पर लपक पड़ी गोलियां।
ओह, नहीं। इस गोलीबारी से हॉल में भगदड़ मच जाएगी।
मगर हमलावरों ने गोलियां चलाकर मुझे अपनी उपस्थिति का आभास करा दिया है।
सांय
सांय
हिस्स
आह!
खनाक!!!
नागराज का अनुमान बिल्कुल ठीक था। दहशत के कारण भगदड़ मच गई थी।
सांय
जिंग
भागो! यहां फायरिंग हो रही है।
जिंग
जिंग
जिंग

उफ! भगदड़ में पता ही नहीं लग रहा कि कौन हमलावर है और कौन मेहमान? ये लोग अचानक हथियार निकालकर हमले कर रहे हैं।
इस बार फायर नहीं होने दूंगा।
हिस्स

नागराज की सर्पीली निगाहों ने ताड़ लिया जेब से निकाली गई पिस्टल की चमक को!

आह!
अक!
सांय!!!
हिस्स

नागराज की चमकती आंखों को ताड़ लिया था हमलावरों ने भी।
नागराज वहां है।

चारों ओर से एक साथ कई फायर हुए?
जिंग
जिंग
जिंग

चारों ओर एक साथ कई सर्प उछले।
जो भी फायर करेगा...
सांय
सांय

...वो अपनी जान से जाएगा।

सर्ररर
आह!!!

सांय
आह!!!

पुलिस फोर्स की एंट्री के साथ ही पूरा हॉल लाइट से जगमगा उठा।
डोंट मूव! डोंट मूव!
टबी!
फ...फ्ल्यूट!
मेरा हाथ थाम लो टबी!
मुझे हमारे सपनों के आकाश में ले चलो टबी!
फ्ल्यूट! फ्ल्यूट! फ्ल...यूट!
मेरा नाम लो टबी! तुम्हारे मुंह से अपना नाम...
हां फ्ल्यूट तुम्हें कुछ नहीं होगा!
हां! हां! मैं तुम्हें ले चलूंगा!

नागराज सहित केपो रैंगटो और एंटोनिनो की स्तब्ध निगाहें उन दोनों को देख रही थीं।
ट...टबी! मेरा बेटा!!
फ्ल्यूट!
उफ! ये दोनों हत्यारों की गोलियों का शिकार हो गए।
तुम दोनों ने एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। मगर माफ करना इस बार तुम्हारा साथ नहीं दे पाया नागराज।
नागराज! हत्यारों की सूरतें देख कर मैं समझ गया हूं कि इस सबके पीछे कौन है? तुम कल शाम छः बजे फोर्ट रेस्तरां में पहुंच जाना। मेरी कल उस हत्यारे से मीटिंग होने वाली है। उसके बाद मैं सरेंडर कर दूंगा।
?

कोर्ट रेस्तरां में-
तुमने क्या सोचा था बास्तोने कि तुम्हारे आदमी अंधेरे में अपना काम करके भाग जाएंगे और मुझे पता नहीं लगेगा कि वारदात किसने की है?
नहीं। ऐसा नहीं है।
मेरे आदमी नागराज को निशाना बनाने पहुंचे थे। उससे पहले मैंने नागराज की टैक्सी में बम रखवाया था। वो बच गया था। मेरे आदमी उस पर नजर रखे थे।
तुम्हारी बेटी अनायास ही मारी गयी।
बकवास बंद करो। तुम लोगों को एंटोनिनो से मेरा रिश्ता हजम नहीं हुआ। लेकिन तुम अनायास नहीं मारे जाओगे। इन सबका निशाना तुम हो।
तुम बेवकूफ हो जो ऐसा सोच रहे हो। निशाना मैं नहीं तुम हो...

...जरा ऊपर बाल्कनी की ओर देख लो।

बेवकूफ तुम हो बास्तोने जो ऐसा सोच रहे हो। निशाना मैं नहीं तुम हो।

!

जरा सामने की ओर देख लो।

?
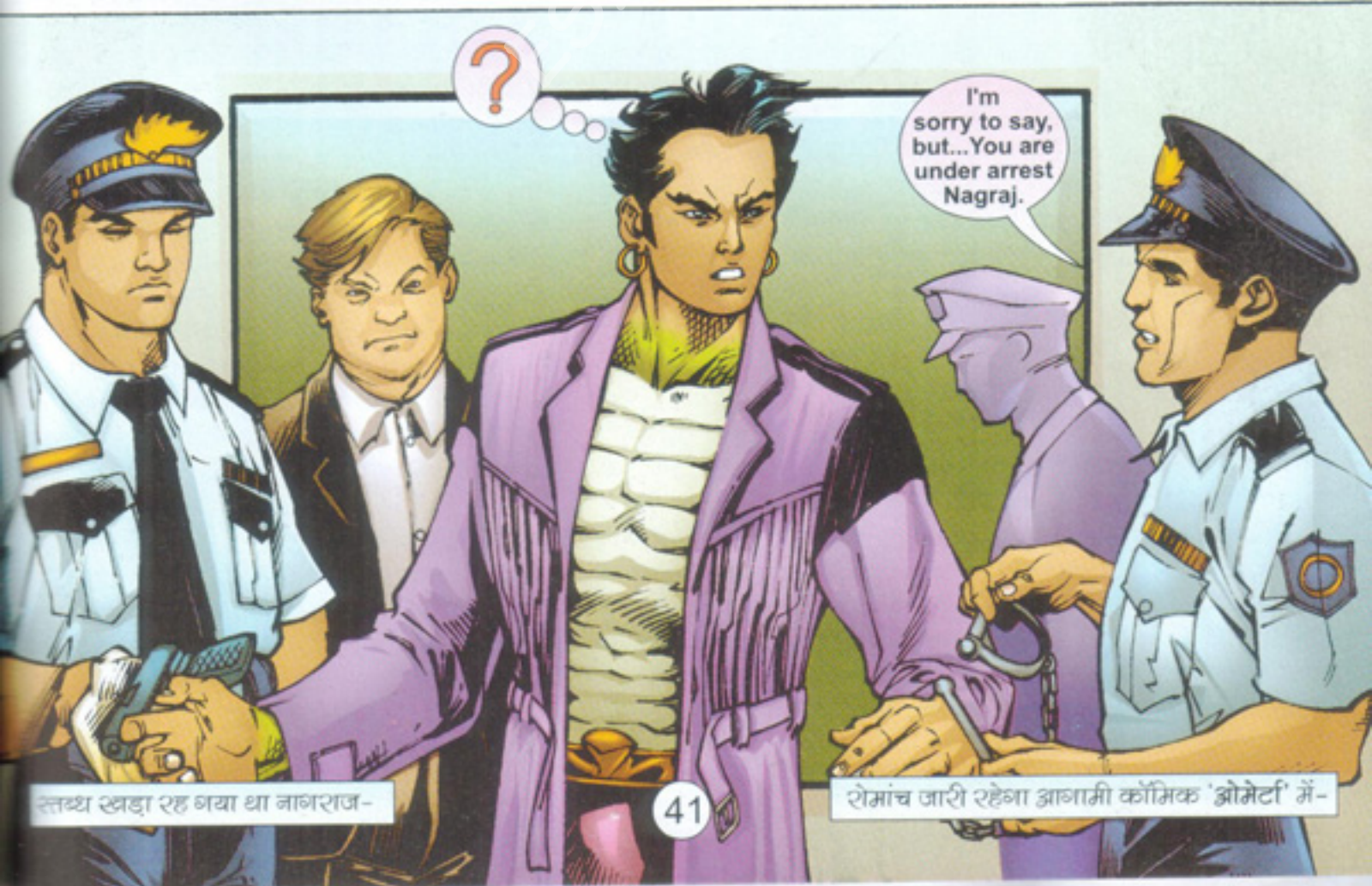
I'm sorry to say, but...You are under arrest Nagraj.

स्तब्ध खड़ा रह गया था नागराज-

रोमांच जारी रहेगा आगामी कॉमिक 'ओमेर्टा' में-

प्यारे दोस्तों, **जनून!**

आज दिनांक 9 दिसम्बर 2008 को यह ग्रीन पेज लिख रहा हूं। पिछला सैट **'समर काण्ड'** जोकि 20 नवम्बर 2008 को प्रकाशित होना था अभी मेरे हाथों में आया है यानी यह सैट 19 दिन लेट हो चुका है और अभी भी इसमें चार दिन और लगेंगे। इस देरी की वजह से आपका गुस्सा वाजिब है। मेरा हर माह 5 तारीख का वायदा मेरी लाख कोशिशों के बाद भी पूरा नहीं हो पा रहा। पिछले 2 महीने पेपर शोर्टेज रही। इस महीने प्रिंटिंग, पैकिंग डिपार्टमेंट ने सैट को लेट किया। मेरी जी तोड़ कोशिश पर हर महीने पानी बहा दिया जाता है। लेकिन मैं अपनी तरफ से कहानियों व आर्टवर्क को समय से पूर्व तैयार करने में जुटा हुआ हूं। आज दिनांक 9 दिसम्बर को **'नागराज अण्डर अरैस्ट'** का सैट मेरी तरफ से तैयार है किंतु प्रिंटिंग डिपार्टमेंट इसे कितने दिनों में तैयार करता है कुछ नहीं कह सकता। आशा है इस बार सैट जल्दी आ सके। इस बार गर्मियों की छुट्टियों में भी आपको मई, जून दो महीनों में चार सैट देने की पूरी प्लानिंग कर चुका हूं। सुपर कमाण्डो ध्रुव को रेगुलर करने पर भी काम जारी है। आपके देशभक्त डिटेक्टिव तिरंगा का नया ओरिजिन सोच लिया गया है। ध्रुव और तिरंगा के बारे में अग्रिम जानकारी अगले ग्रीन पेज में दूंगा। **'समर काण्ड'** के ग्रीन पेज में **'आरम्भ'** (योद्धा), **'प्रथम भोकाल'** (महाबली भोकाल) व **'रक्त पिपासु'** (थ्रिल **हॉरर सस्पेंस**) के बारे में यह कहा गया था कि यह तीनों सीरीज पेपर पर नहीं छपेंगी बल्कि ई-कॉमिक्स में आएंगी। पाठकों की डिमाण्ड को देखते हुए यह फैसला अब वापस ले लिया गया है। तीनों ही कॉमिक्स अप्रैल 2009 में पेपर कॉमिक्स में ही प्रिंट की जाएंगी।

अब बात करते हैं इसी सैट व आगामी सैट की कॉमिक्स के बारे में। **'नागराज अण्डर अरैस्ट'** में लाख कोशिशों के बाद भी नागराज टवी और फ्ल्यूट को नहीं बचा सका बल्कि खुद माफिया की चाल का शिकार होकर इटली पुलिस द्वारा अरैस्ट हो गया। अब आगामी कॉमिक्स **'ओमेर्टा'** में नागराज की टक्कर होगी इटली लॉ एनफोर्सर्स और ताकतवर माफिया से। पाठकों की भारी डिमाण्ड को देखते हुए **'ओमेर्टा'**, **'आंख मिचौली'** एवं **'पांचवां शिकार'** के सभी एक्शन सीन दोबारा लिखे गए हैं जिनमें आपको नागराज की बहुत बेहतरीन फाइट देखने को मिलेगी। नए आर्टिस्ट हेमंत एवं इंकिंग आर्टिस्ट जगदीश ने इन आर्टवर्क्स में बहुत ही शानदार काम किया है।

नागराज इटली सीरीज के बाद नागराज पर लिखी जा रही थी **नागराज जापान सीरीज** जिसे 26/11/08 मुम्बई अटैक के बाद रोक लिया गया है और अब **नागराज इटली सीरीज** के पश्चात आएगी नागराज, डोगा टू इन वन 26/11/08 सीरीज। यह एक बेहतरीन प्लॉट बना है जिसके द्वारा हम मुम्बई के रियल हीरोज उस रक्तिम जंग के विजेता सिपाहियों को सलामी देने की और उस त्रासदी से टकराए मासूम लोगों को श्रद्धांजलि देने की पूरी कोशिश करेंगे। हमारी पूरी कोशिश रहेगी की इटली सीरीज अप्रैल 2009 तक समाप्त हो जाए और मई 2009 में आप 26/11 पढ़ सकें।

नागायण सीरीज की **'समर काण्ड'** जल्दी ही आपके हाथों में होगी। इसका अंतिम भाग **'इति काण्ड'** भी फरवरी 2009 तक आप तक पहुंच जाएगा। मुझे आशा है कि **'रण काण्ड'** की ही तरह **'समर काण्ड'** भी आपको अवश्य ही पसंद आएगा। कॉमिक पढ़ते ही मुझे अवश्य लिखें। आपका हर सुझाव मेरे लिए अमूल्य है।